सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 3053 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार पेज: 7

फिल्म 'रामायण का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 113 | सोमवार 27 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कैलाश विजयवर्गीय का बड़ा दावा, पहले ही दिन इस्तीफे को तैयार थे धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली एजेंसी: मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने एक बड़ा दावा किया है। इंदौर में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली में छात्र आंदोलन शुरू होने के पहले ही दिन भाजपा अध्यक्ष से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी थी। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष से साफ कहा था कि अगर उन्हें लगता है कि इस्तीफा जरूरी है, तो वे पद छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। विदेशी ताकतों की साजिश हुई नाकाम विजयवर्गीय ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे ने उन विदेशी ताकतों के इरादों पर पानी फेर दिया जो भारत में हिंसा फैलाकर देश का माहौल खराब करना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें भारत में बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे हालात पैदा करना चाहती थीं, लेकिन प्रधान के इस कदम से वह साजिश नाकाम हो गई।

कारगिल विजय दिवस हमें वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है- मन की बात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में देशवासियों को कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कारगिल युद्ध के वीर शहीदों और सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह दिन देश के वीर जवानों के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में कारगिल विजय दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दिन हर भारतीय को गर्व से भर देता है और देश के वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "मध्य-प्रदेश के सीधी जिले में करीब डेढ़ हजार तालाब बनाए गए हैं। नरसिंहपुर में अमृत सरोवरों को संवारा गया है।

महाराष्ट्र के नासिक में बड़ी मात्रा में पानी सहेजने की क्षमता विकसित हुई है। आंध्र-प्रदेश के नंद्याल में सभी ग्राम पंचायतें इस अभियान से जुड़ी हैं और पुराने तालाबों को फिर से उपयोगी बनाया गया है। हमारे शहर भी पीछे नहीं हैं। छत्तीसगढ़ के कोरबा, ओडिशा के भुवनेश्वर और आंध्र-प्रदेश के विजयनगरम में इस अभियान के उत्साहजनक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में मैंने आपसे कैच द रेन अभियान की चर्चा की थी। मैंने आग्रह किया था कि बारिश की हर बूंद को सहेजने के इस अभियान को जन-आंदोलन बनाएं...इसके तहत बारिश के पानी के संचयन, भूजल पुनर्भरण, पुराने जल-स्त्रोतों के पुनर्जीवन और वृक्षारोपण को नई गति दी जा रही है। मुझे बहुत खुशी है कि गांव हों या

कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में देशवासियों को कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कारगिल युद्ध के वीर शहीदों और सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहर, पंचायतें हों या सामाजिक संस्थाएं हर जगह लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "कुछ ही दिन पहले ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल शुरू हुए हैं। हर देशवासी भारतीय दल को निरंतर अपनी शुभकामनाएं दे रहा है। उनकी कामना है कि सभी खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करें और लोगों का दिल भी जीतें। हमारे युवाओं ने हाल के दिनों में खेलों में कई शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। पीवी सिंधु बैडमिंटन में जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कारगिल की ऊंची चोटियां, कठिन मौसम और दुश्मन की चुनौतियों के बावजूद भारतीय सैनिकों का हौसला हर परिस्थिति से बड़ा साबित हुआ। उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों और देश की रक्षा में योगदान देने वाले सभी सैनिकों को नमन करते हुए उनके बलिदान को राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। पीएम मोदी ने कहा कि आज का भारत अपने सैनिकों के अदम्य साहस के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में तकनीकी क्षमताओं को भी लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था देश की सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से वीर सैनिकों के त्याग और समर्पण से प्रेरणा लेने तथा राष्ट्र की एकता, सुरक्षा और विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

कारगिल विजय दिवस पर राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी, कल्पना से परे होगा भारत का जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवाद के रास्ते भारत को डराने की कोशिश करने वालों का क्या अंजाम होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत, पाकिस्तान की किसी भी हिमाकत का ऐसा मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है जो उसकी सोच से भी परे होगा। कारगिल युद्ध स्मारक पर कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ के मौके पर संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला और कहा कि उसने आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना लिया है। पीओके पर ही होगी अब पाकिस्तान से बात राजनाथ सिंह ने दोटूक अंदाज में कहा कि पाकिस्तान के साथ अब सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे

वाले कश्मीर को लेकर ही चर्चा होगी, क्योंकि यह भारत का अटूट हिस्सा है जिस पर पाकिस्तान ने गैर-कानूनी तरीके से कब्जा जमा रखा है। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक जीत को भारत माता के मुकुट का हीरा बताया और कहा कि देश अपने जांबाज सैनिकों की शहादत को कभी नहीं भूलेगा। ऑपरेशन सिंदूर से थर्राए आतंक के आका रक्षा मंत्री ने 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में मई 2025 में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के जरिए भारतीय सेना ने आतंकवाद के आकाओं और उनके मददगारों को धूल चटा दी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत की एकता और अखंडता पर आंख उठाने का अंजाम हर बार बेहद भयानक होगा। हम तकनीक बना रहे हैं और...राजनाथ सिंह ने दोनों देशों की सोच का अंतर बताते हुए कहा कि आज भारत रक्षा क्षेत्र में नई तकनीक और आधुनिक युद्धपोत बना रहा है, जबकि पाकिस्तान सिर्फ घुसपैठ और आतंकवाद के नए रास्ते तलाशने में उलझा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत लगातार प्रगति कर रहा है और पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों में व्यस्त है। क्या है कारगिल विजय दिवस? कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के ऑपरेशन विजय की ऐतिहासिक कामयाबी की याद में हर साल मनाया जाता है।

साल 1999 में पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़कर भारतीय सेना ने कारगिल की ऊंची चोटियों पर फिर से अपना तिरंगा फहराया था। 26 जुलाई 1999 को मिली इस महान जीत के सम्मान में हर साल इस दिन को पूरे देश में गर्व के साथ मनाया जाता है।

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर बिफरे राहुल गांधी, अमित शाह को पत्र लिखकर पूछा- आदेश किसने दिया?

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह को एक खत लिखा है। इस पत्र में उन्होंने सवाल उठाया कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हमला करने का आदेश किसने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि वे 20 जुलाई को दिल्ली में शांति से अपनी बात रख रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय कराने के लिए यह लेटर लिख रहे हैं। छात्रों पर खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल क्यों हुआ? राहुल गांधी ने अपने खत में कहा कि छात्र सिर्फ एक साफ-सुथरी और सही शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने की जगह सुरक्षाबलों ने उन पर आंसू गैस और पेलेट गन जैसे खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल किया। इस कार्रवाई में

सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पेलेट गन के इस्तेमाल पर उठाए सवाल राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने छात्राओं के साथ भी बदसलूकी और मारपीट की। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें और रिपोर्ट इस बात का सबूत हैं कि लोग कितने गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है। राहुल गांधी ने बताया कि वे 19 साल के छात्र साहिल लोचब से मिले, जो पेलेट गन का छर्रा लगने की वजह से बेहद दर्द में है और उसकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा बना हुआ है। राहुल गांधी के गृह मंत्री से सीधे सवाल पत्र में राहुल गांधी ने सीधे अमित शाह से सवाल पूछते हुए कहा, "दिल्ली पुलिस और सुरक्षाबल सीधे आपके अंडर आते हैं, तो क्या आपने पेलेट गन और इस तरह के बल प्रयोग की इजाजत दी थी? अगर आपने आदेश नहीं दिया, तो फिर छात्रों पर इस तरह की कार्रवाई की परमिशन किसने दी? सादे कपड़ों में लाठियां चलाते दिख रहे लोग पुलिस वाले हैं या कोई और? उन्हें वहां भेजने की इजाजत किसने दी?" लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हर नागरिक का हक राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में शांति से अपनी बात रखना और प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा करे और बातचीत के जरिए उनकी समस्याएं सुलझाए। इस तरह की हिंसा लोकतंत्र के खिलाफ है और इससे पूरे देश के युवाओं में भारी गुस्सा है। छात्र अब सरकार से जवाब मांग रहे हैं और उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकती।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय, कही यह बात

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को शिक्षा मंत्रालय का पदभार संभाल लिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सिफारिश पर प्रह्लाद जोशी को यह अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। वे अपने मौजूदा 'उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय' के साथ-साथ अब शिक्षा मंत्रालय का कामकाज भी देखेंगे। शनिवार को राष्ट्रपति भवन से आदेश जारी होने के एक दिन बाद उन्होंने मंत्रालय पहुंचकर अपनी नई जिम्मेदारी संभाल ली। पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री का पद संभालने के बाद प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरना ही उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि वह पूरी विनम्रता, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार और देश की उम्मीदों को पूरा करने का

हरसंभव प्रयास करेंगे। नीट विवाद के बाद धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को नीट यूजी पेपर लीक विवाद और देशभर में छात्रों के बढ़ते गुस्से के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेतृत्व में छात्र उनके इस्तीफे की मांग कर रहे थे। अपने इस्तीफे में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह उनके लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा की बात नहीं है और पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम से वे काफी आहत हुए हैं। उन्होंने पीएम मोदी के मार्गदर्शन और पिछले 12 सालों की सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री का आभार भी जताया। कौन हैं नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी? प्रह्लाद जोशी पहले से ही केंद्र सरकार में उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय संभाल रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले प्रह्लाद जोशी कर्नाटक की धारवाड़ सीट से पांच बार के सांसद हैं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का बेहद करीबी और भरोसेमंद नेता माना जाता है। अब उनके पास शिक्षा मंत्रालय से जुड़े बड़े नीतिगत फैसलों और सुधारों को आगे बढ़ाने की अहम जिम्मेदारी होगी।

तेज प्रताप यादव की आधी रात गिरफ़्तारी पर भड़के प्रशांत किशोर, कहा- जन सुराज के समर्थन से डरी सरकार

बिहार की चर्चित बांकीपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को होने वाले उपचुनाव से ठीक पहले पटना की राजनीति काफी गर्मा गई है। जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव द्वारा 'जन सुराज' पार्टी को समर्थन देने और शनिवार देर रात उनकी गिरफ्तारी पर प्रशांत किशोर ने सरकार और पुलिस पर तीखा हमला बोला है। रविवार को पटना में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तेज प्रताप की गिरफ्तारी से यह साफ पता चलता है कि सत्ता में बैठे लोग जन सुराज को मिल रहे जनसमर्थन से बुरी तरह घबरा चुके हैं। रात 1:30 बजे जेल क्यों भेजा? प्रशांत किशोर ने तेज प्रताप यादव पर हुई पुलिस कार्रवाई के टाइम और तरीके पर बड़े सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "कल तेज प्रताप ने जन सुराज को अपना सपोर्ट देने का ऐलान किया और उसी रात 1:30 बजे पुलिस ने उन्हें अरेस्ट करके सीधे बेउर जेल भेज दिया। यह दिखाता है कि सरकार में बैठे लोग कितने डरे हुए हैं। आखिर उन्हें किस धारा के तहत गिरफ्तार किया गया? पुलिस प्रशासन को इस पर तुरंत जवाब देना चाहिए। हम उन सभी लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं जो इस सरकार की तानाशाही के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।" देश की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के प्रदर्शन पर बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि प्रख्यात शिक्षाविद और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक उनके अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी पॉलिटिकल पार्टी का मुद्दा नहीं है, जब जनता सड़कों पर उतरती है, तो सरकार को झुकना ही पड़ता है। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर तंज कसते हुए पीके ने कहा, "यह तो बस जवाबदेही की शुरूआत है।

कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्धारमैया का बड़ा फैसला, 2028 में नहीं लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भविष्य की चुनावी राजनीति से दूरी बनाने की बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वह 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और न ही इसके बाद किसी अन्य चुनाव में उम्मीदवार बनेंगे। अपने इस बड़े फैसले की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और इसमें ईमानदार राजनीति के लिए जगह दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। एक्स पर पोस्ट शेयर कर बताई मन की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए सिद्दारमैया ने लिखा, "आज राजनीति का क्षेत्र पूरी तरह से भ्रष्ट हो गया है। इसीलिए मैंने 2028 का विधानसभा चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। हालांकि, मैं सक्रिय राजनीति में बना रहूंगा और जनता के सुख-दुख की आवाज उठाता रहूंगा।" हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि चुनाव न लड़ने के बाद पार्टी संगठन में उनकी क्या

भूमिका रहेगी। अब शरीर और स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा सिद्दारमैया ने बताया कि उनके वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग उन पर फिर से चुनाव लड़ने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक उनकी उम्र 81-82 साल हो जाएगी और सेहत भी पहले जैसी नहीं रहेगी। अब पहले जैसी एनर्जी और जोश के साथ काम करना मुमकिन नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले चुनाव जनता के सहयोग से लड़े जाते थे, लेकिन अब माहौल पूरी तरह बदल चुका है। 2028 में पूरे होंगे राजनीति के 50 साल अपने 50 साल लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए सिद्दारमैया ने कहा कि 2028 में उनके इस सफर के 50 साल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि 1978 में एक तालुक बोर्ड सदस्य के रूप में उन्होंने अपने करियर की शुरूआत की थी। इस लंबे दौर में उन्होंने कई जीत और हार देखीं, लेकिन उन्हें इस बात की खुशी और सुकून है कि उन्होंने कभी अपने उसूलों से समझौता नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा के खिलाफ जाकर कोई काम किया। मौजूदा चुनावी व्यवस्था पर साधा निशाना

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर का आंदोलन खत्म, क्या बोले अभिजीत दिपके?

नई दिल्ली एजेंसी: नीट पेपर लीक विवाद में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा मांगें मान लिए जाने के बाद, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने राहत की सांस ली है। उन्होंने बेहद सुकून भरे अंदाज में कहा, "अब मैं बिना इस फिक्र के अपने कमरे में सो सकता हूं और जाग सकता हूं कि आगे क्या करना है या शाम को क्या होगा।" 37 दिनों तक चले इस कठिन आंदोलन के खत्म होने के बाद दिपके काफी शांत और तनावमुक्त नजर आए। व्यंग्य से शुरू हुआ आंदोलन बना 'जेन जी' का बड़ा मंच अभिजीत दिपके ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो मैसेज शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि अब कोई घबराहट नहीं है। उन्होंने इस 37 दिनों के प्रदर्शन को बहुत ही मुश्किल भरा दौर बताया। गौरतलब है कि दिपके ने मई में देश के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी पर तंज कसते हुए सीजेपी की शुरूआत की थी। लेकिन देखते ही देखते यह एक बड़ा जन-आंदोलन बन गया, जिसने पिछले 70 दिनों में देश की 'जेन जी' को

एक मंच पर ला खड़ा किया। जंतर-मंतर पर गूंजा 'इंकलाब' देखते ही देखते हजारों समर्थक दिल्ली के दिल कहे जाने वाले जंतर-मंतर पर जुटने लगे। नीट पेपर लीक और अभ्यर्थियों की आत्महत्या के मुद्दे पर नाराज छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया और जंतर-मंतर

अभिजीत दिपके ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो मैसेज शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि अब कोई घबराहट नहीं है। उन्होंने इस 37 दिनों के प्रदर्शन को बहुत ही मुश्किल भरा दौर बताया। गौरतलब है

'इंकलाब' के नारों से गूंज उठा। जैसे-जैसे मांग पूरी होने में देरी हुई, वैसे-वैसे आंदोलन से हजारों नए युवा जुड़ते चले गए। बीमारी के बावजूद डटे रहे दिपके आखिरकार सरकार को झुकना पड़ा, धर्मेंद्र प्रधान ने अपना इस्तीफा दे दिया और सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस वापस लेने की बात मान ली। इसके बाद सीजेपी ने अपना आंदोलन वापस ले लिया। दिपके ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि यह राह बिल्कुल आसान नहीं थी। उन्होंने टाइफाइड और तेज बुखार होने की वजह से कल जंतर-मंतर पर सभी का पर्सनली शुक्रिया न अदा कर पाने के लिए माफी भी मांगी। उन्होंने कहा, "जो लोग 37 दिनों तक जंतर-मंतर पर डटे रहे, मैं आप सभी का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आपने इस देश और शिक्षा व्यवस्था के लिए जो किया है, वह वाकई काबिले तारीफ है।" आलोचनाओं ने हमें और बेहतर बनाया अभिजीत दिपके ने उन लोगों का भी धन्यवाद किया जिन्होंने इस आंदोलन और उनकी रणनीति पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि सही और जायज आलोचनाओं ने ही उन्हें हर कदम पर बेहतर काम करने में मदद की, जिसकी वजह से यह आंदोलन सफल हो पाया।

संपादकीय

छोटे परिवार, बड़े संकट

देश के बहुचर्चित ह्यहनीमून मर्डरह्ल केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में ह्यतलाकह्ल के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथ है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जल संकट का असंतुलित प्रबंधनः अस्तित्व पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है। भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

27वें कारगिल विजय दिवसःहिमालय की चोटियों पर लिखा गया भारत की विजय का स्वर्णिम अध्याय

योगेश कुमार गोयल

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी...

देश आज कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन विजयह्ल के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्ल की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्ल की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्ययह दिल मांगे मोरह्ल तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में ₹डबल इंजन सरकार₹ बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है।

दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है।

भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई 'सतलुज' फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए।

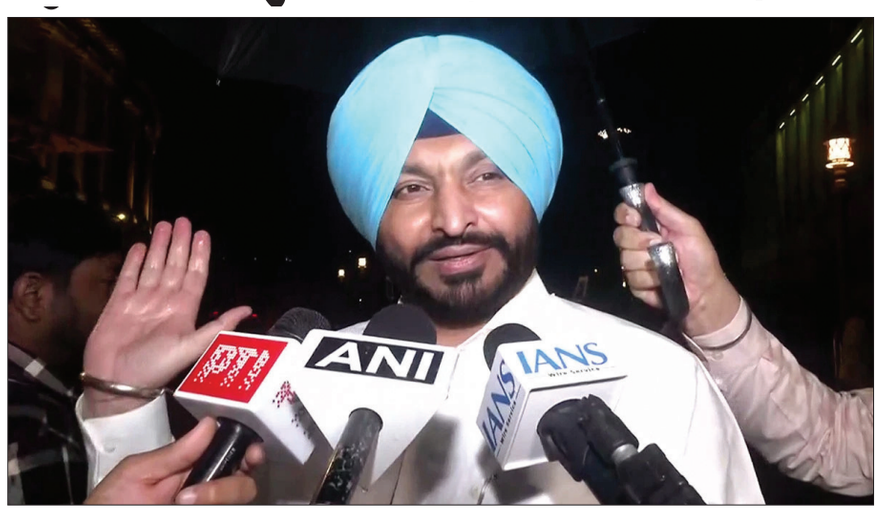

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है।

हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और 'अकाली दल' तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि भाजपा और अकाली दल का लगभग 25 वर्षों पुराना गठबंधन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूटने के बाद भी दोनों दलों के हर सार्वजनिक बयान को संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि भाजपा नेतृत्व फिलहाल गठबंधन पुनर्जीवित करने की किसी संभावना से इंकार कर रहा है और अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से मजबूत करने की बात कह रहा है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल के संबंध इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि दोनों दलों के बीच होने वाला हर संवाद भविष्य की संभावनाओं के नजरिए से परखा जाता है।

साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा 'माय कंट्री, माय लाइफ' में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'राष्ट्रीय त्रासदी' बताते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन साथ ही सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक पीड़ा को भी प्रमुखता से स्वीकार करने का प्रयास कर रही है।

इसी बदलाव के तहत भाजपा ने हाल के वर्षों में कई प्रतीकात्मक और राजनीतिक कदम उठाए हैं। वीर बाल दिवस की घोषणा, करतारपुर साहिब गलियारे का उद्घाटन, अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप भारत लाना, 1984 दंगों के मामलों की जांच में तेजी, हवाई अड्डों पर कृपाण ले जाने की अनुमति, स्वर्ण मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार दौरे तथा लंबे समय से जेल में बंद कुछ सिख कैदियों को मानवीय आधार पर राहत जैसे फैसलों को इसी व्यापक सिख पहुंच अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा ने यह भी संकेत दिया है कि सत्ता में आने पर धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा सकता है।

हालांकि भाजपा इस पूरे अभियान के दौरान एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पार्टी स्पष्ट करती है कि उसका आतंकवाद और खालिस्तानी हिंसा के प्रति रुख नहीं बदला है। पंजाब भाजपा के नेताओं का कहना है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार को राष्ट्रीय त्रासदी मानने का अर्थ आतंकवाद का समर्थन नहीं है, बल्कि उस समय की परिस्थितियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना है।

फिर भी भाजपा की इस नई राजनीतिक भाषा को लेकर संदेह भी कम नहीं है। कई राजनीतिक विश्लेषकों और सिख बुद्धिजीवियों का मानना है कि पार्टी का यह बदलाव मुख्य रूप से चुनावी गणित से प्रेरित है। उनका कहना है कि केवल हिंदू मतों के सहारे पंजाब में सरकार बनाना संभव नहीं है, इसलिए भाजपा सिख मतदाताओं के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक संदेश को नया स्वरूप दे रही है।

बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा की सामाजिक समीकरणों पर आधारित नई रणनीति और सिख समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश पंजाब के मतदाताओं को प्रभावित कर पाएगी या फिर राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति ही चुनाव परिणाम तय करेगी। अगले विधानसभा चुनाव इस सवाल का सबसे बड़ा जवाब साबित होंगे।

अमरोहा
सोमवार 27 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/बिजनौर

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

अमरोहा सपा कार्यालय पर मनाया गया आरक्षण दिवस एवं कारगिल विजय दिवस

जिलाध्यक्ष मस्तराम यादव बोले - संविधान बचेगा तो लोकतंत्र और आरक्षण बचेगा

अमरोहा (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शुक्रवार को आरक्षण दिवस झ संविधान मान स्तंभ दिवस एवं कारगिल विजय दिवस संयुक्त रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मस्तराम यादव ने की। इस अवसर पर नौगांवा विधानसभा के विधायक समरपाल सिंह, जितेंद्र सिंह यादव, मास्टर संतराम यादव, गुड्डू चौहान, तेजवीर जाटव, राजकुमार प्रधान, पप्पू यादव, राधेलाल रघुवंशी, धर्मपाल प्रधान, विपिन कौशिक, सादिक भाई, देवेंद्र प्रताप सिंह, अशोक चौधरी, मेहताब चौधरी, आलोक कुमार, मुमताज खां, एडवोकेट आलोक भारती,

जितेंद्र प्रताप सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने सहभागिता की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा प्रदत्त संविधान भारत की आत्मा है। आरक्षण केवल एक नीति नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और सम्मान की संवैधानिक गारंटी है। वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती तथा पिछड़ों, दलितों, वंचितों, शोषितों और सभी कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है और आगे भी पूरी निष्ठा एवं दृढ़ता के साथ संघर्ष करती रहेगी। इस दौरान संविधान बचेगा तो लोकतंत्र बचेगा, लोकतंत्र बचेगा तो सामाजिक न्याय और आरक्षण सुरक्षित रहेगा का संकल्प भी दोहराया गया।

वहीं कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मातृभूमि की रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीर शहीदों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कहा गया कि उनका साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

थाना बछरायूं पुलिस ने 10 वर्ष से फरार 25,000 के इनामी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

पॉक्सो एक्ट के मुकदमे में वांछित था आरोपी, सर्विलांस-एसओजी की संयुक्त कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- वांछित/इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बछरायूं पुलिस, सर्विलांस सेल एवं एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में लगभग 10 वर्ष से फरार चल रहे ड्25,000 के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए अभियुक्त का नाम सोनू पुत्र रामकुंवर निवासी ग्राम चौखट, थाना बछरायूं है। उसे 26 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम, अमरोहा में विचाराधीन एस.टी. संख्या-

719/2021, मु0अ0सं0-218/2016, धारा 363/366/506/368 भादवि एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट से संबंधित मुकदमे में पिछले लगभग 10 वर्षों से फरार चल रहा था।पुलिस के अनुसार वादी द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण के संबंध में थाना बछरायूं पर वर्ष 2016 में मु0अ0सं0 218/2016 पंजीकृत कराया गया था। विवेचना के दौरान अभियुक्ता सविता देवी पत्नी वृत्तपाल निवासी ग्राम फत्तेहपुर शुमाली के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया, जबकि अभियुक्त सोनू की विवेचना जारी रही। अभियुक्त सोनू के लगातार फरार रहने पर न्यायालय द्वारा 04 अप्रैल 2017 को उसके विरुद्ध उद्घोषणा एवं कुर्की वारंट जारी किए गए। 08 अप्रैल 201 को उसके विरुद्ध मफरूरी में आरोप पत्र न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तारी न होने पर उस पर पहले ड्12,000 का पुरस्कार घोषित किया गया, जिसे बाद में बढ़ाकर ड्25,000 कर दिया गया।पुलिस ने बताया कि संयुक्त टीम की कार्रवाई में अभियुक्त को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है।

सहकारी समिति भदौरा के निर्माण कार्य की फाइल लटकी, सभापति ने दी धरना-प्रदर्शन की चेतावनी

अधिकारियों की हठधर्मिता से अटका काम, भ्रष्टाचार के लगाए गंभीर आरोप

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- बहुउद्देशीय सहकारी समिति भदौरा में समिति की निजी आय से होने वाले निर्माण कार्य पर विभागीय सुस्ती भारी पड़ रही है। संचालक मंडल द्वारा निर्माण कार्य का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है, जिस पर सहकारिता विभाग के तहसील स्तरीय अधिकारियों ने भी अपनी सहमति दे दी थी। बावजूद इसके, जिला स्तर से पिछले एक सप्ताह से निर्माण की अनुमति का प्रस्ताव अधर में लटका हुआ है। समिति के सभापति कृष्ण कुमार शर्मा ने हसनपुर क्षेत्र के ग्राम शेखूपुर झकडी में सुरेन्द्र दास की

बैठक पर राष्ट्र सेवी संगठन की बैठक में बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पूर्व निर्माण कार्य पूरा कराने के उद्देश्य से विभागीय अधिकारियों से शीघ्र अनुमति देने की गुहार लगाई गई थी, लेकिन अधिकारियों की हठधर्मिता के कारण कार्य संपन्न नहीं हो पा रहा है। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब धनराशि समिति की अपनी है और संचालक मंडल प्रस्ताव पारित कर चुका है, तो अधिकारियों द्वारा अनुमति न देना कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। सभापति ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही अनुमति नहीं मिली, तो समिति क्षेत्रवासियों को साथ लेकर उग्र धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी।

वहीं, बैठक में मौजूद प्रांतीय गन्ना प्रमुख महिपाल सिंह ने स्वदेशी वस्तुओं के अधिकाधिक उपयोग और जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर सुरेंद्र दास, उमेश सैन, विजय सिंह, करन सिंह, रोहताश सिंह, समय सिंह, सचिन चौहान, ब्रह्मपाल, बलवंत सिंह और छत्र सिंह सहित कई लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

धनौरा में अमरोहा बाईपास मार्ग पर शीरा जमा होने से फिसलन, राहगीरों को आवाजाही में परेशानी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के अमरोहा बाईपास मार्ग पर शीरा इकट्ठा होने के कारण सड़क पर फिसलन की स्थिति बनी हुई है जिससे वाहन चालकों एवं वहां से गुजर रहे राहगीरों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शीरा जमा होने के कारण सड़क पर हुई फिसलन के कारण किसी समय भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय निवासियों को कहना है कि शीरे में मिठास के कारण उस पर बड़ी संख्या में मक्खियां भिनक रहीं हैं जिससे आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही

है और संक्रामक बीमारियों को खतरा भी बढ़ रहा है। इससे पहले भी इस सड़क पर फिसलन होने के कारण कई मोटरसाइकिल सवार गिरकर घायल हो चुके हैं। बता दें कि इस बारे जानकारी देते हुए मलेशिया गांव के प्रधान और मैरिज हॉल संचालक हरीश कुमार यादव ने बताया कि इस समस्या के संबंध में एक दिन पहले ही एथनॉल प्लांट प्रबंधन को सूचित किया गया था। हालांकि, सूचना के बावजूद अब तक न तो सड़क की सफाई कराई गई है और न ही शीरे को हटाने का कोई प्रबंध किया गया है। स्थानीय ग्रामीण गौरव शर्मा और कुंवरपाल सिंह सहित अन्य लोगों का कहना है कि यह एक व्यस्त बाईपास मार्ग है जहां दिन-रात वाहनों की आवाजाही रहती है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सड़क की तत्काल सफाई कर इसे सुरक्षित नहीं बनाया गया, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन से इस मामले का तुरंत संज्ञान लेने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

गजरौला में भगवान दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव की भव्य शोभायात्रा सकुशल सम्पन्न

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भगवान दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव के अवसर पर रविवार को आर.पी.फार्म हाउस गजरौला में आयोजित भव्य शोभायात्रा का शुभारम्भ फाजलपुर फाटक से हुआ। शोभायात्रा का शुभारम्भ पूर्व विधायक हरपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह, शिक्षिका सुनीता देवी तथा महोत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं हरी झण्डी दिखाकर किया।शोभायात्रा को गजरौला के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों से पूर्ण अनुशासन, उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ होकर आर.पी. फार्म हाउस पहुँची, जहाँ इसका विधिवत समापन हुआ।पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान दक्ष प्रजापति के जयघोष के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया। बता दें कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहताश कुमार प्रजापति तथा उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि शोभायात्रा का उत्कृष्ट प्रबंधन, अनुशासन और समन्वय प्रशंसनीय रहा। उन्होंने समिति द्वारा किए गए।सुव्यवस्थित आयोजन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा समाज में एकता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने वाले ऐसे आयोजनों को प्रेरणादायी बताया।उन्होंने शोभायात्रा को सफल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में सहयोग देने वाले पुलिस प्रशासन, मीडिया कर्मियों, स्वयंसेवकों एवं महोत्सव समिति के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनका आभार व्यक्त किया।भगवान दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति ने सभी अतिथियों, समाज के गणमान्य नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समाज की एकजुटता और सभी के सहयोग से यह आयोजन ऐतिहासिक एवं सफल रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 39 विधानसभा विधायक राजीव तरारा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहताश कुमार प्रजापति, सूर्य प्रकाश पाल राज्य मंत्री,डॉ उत्तम सिंह प्रजापति पूर्व विधायक हरपाल सिंह ब्लॉक प्रमुख पति जिला उपाध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह, विवेक कुमार, नरेंद्र चौधरी,शिक्षिका सुनीता देवी, सपना प्रजापति, सुरेश प्रजापति,उमेश कुमार प्रजापति, विजयपाल कारीगर, योगेश पतराम सिंह प्रजापति, केमिस्ट रजनीश प्रजापति, इंजीनिय जोगेन्द्र सिंह प्रजापति, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय प्रजापति, दिनेश प्रजापति एकता सभा मुख्य महासचिव,श्याम प्रजापति सभासद, ठेकेदार सोनू प्रजापति गौरव प्रजापति, लोकेश प्रजापति,शिवकुमार प्रजापति, जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा डॉ हरज्ञान सिंह,डॉ राजीव शुक्ला,सोनिया प्रजापति महिला प्रमुख, मास्टर रूपकिशोर प्रजापति,सचिन प्रधान, अभी प्रजापति, डॉ जगदेव प्रजापति संपादक दैनिक दर्शन उजाला, उमेश प्रजापति आदि उपस्थित रहें।

शादी तुड़वाने व तेजाब फेंकने की धमकी के मामले में युवक पर केस दर्ज, जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा एक युवती की दो बार शादी तुड़वाने उसे बदनाम करने एवं तेजाब फेंकने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई को पीड़िता की शिकायत पर करते हुए मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि पीड़ित परिवार के लोगों ने युवती का पहला रिश्ता एक गांव में तय किया था। आरोप है कि उनके ही गांव के एक युवक ने युवती के मंगेतर को जान से मारने की धमकी

दी, जिसके कारण यह शादी टूट गई।इसके बाद परिजनों ने युवती का दूसरा रिश्ता मेरठ जिले के एक गांव में तय किया। आरोपी युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए युवती को बदनाम किया, जिससे उसकी दूसरी शादी भी टूट गई।पीड़ित पक्ष ने इस संबंध में उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई थी। क्षेत्राधिकारी के समक्ष बयान दर्ज कराते समय पीड़िता ने बताया कि बीते माह खेत जाते समय आरोपी ने रास्ते में रोककर उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं।युवती द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि उसने कहीं और शादी की तो वह उसके चेहरे पर तेजाब डालकर जान से मार देगा।पीड़िता के भाई की तहरीर पर धनौरा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सतेंद्र सरोहा ने बताया कि तहरीर के आधार पर जितेन्द्र सैनी पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

धनौरा क्षेत्र में लेखपालों के कार्य क्षेत्रों में फेरबदल, तहसील प्रशासन ने किया बदलाव

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र में प्रशासन द्वारा कई लेखपालों के कार्य क्षेत्र में फेरबदल करते हुए उन्हें स्थानांतरित कर दिया गया है तहसील प्रशासन द्वारा इस कार्यवाही को प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया है। इस फेर बदल के अंतर्गत लेखपाल संघ तहसील धनौरा के अध्यक्ष विकास यादव को धनौरा शहर का नया लेखपाल नियुक्त किया गया है।

बता दें कि उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे और तहसीलदार मूसराम

थारू द्वारा संयुक्त रूप से जारी आदेश के अनुसार, यह स्थानांतरण प्रशासनिक हित में किया गया है। सभी लेखपालों को नवीन कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है।नवीन तैनाती के विवरण के अनुसार, विकास यादव जो पहले कौराला क्षेत्र में तैनात थे, अब धनौरा शहर की कमान संभालेंगे। उन्हें मलेशिया क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।धनौरा शहर के वर्तमान लेखपाल दिनेश सिंह को मुरादपुर क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है।इसी क्रम में, मुरादपुर में कार्यरत लेखपाल विशाल सागर का स्थानांतरण कौराला क्षेत्र में किया गया है। वे कुआं खेड़ा क्षेत्र का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे।तहसील प्रशासन ने सभी संबंधित लेखपालों को तत्काल प्रभाव से अपने नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने और आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रशासनिक बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना का शुभारम्भ, उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों को वितरित किए गए कैशलेस चिकित्सा कार्ड

अमरोहा (सब का सपना):- जे.एस. हिन्दू पी.जी. कॉलेज में रविवार को उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के शुभारम्भ के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आगरा स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित मुख्य समारोह का सजीव प्रसारण देखा गया तथा पात्र शिक्षकों को मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के कार्ड वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षक दिवस 5 सितम्बर, 2025के अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की गई थी। इसी घोषणा के क्रम में अब अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों एवं राज्य विश्वविद्यालयों में कार्यरत नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के शिक्षकों तथा उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को सरकारी एवं सूचीबद्ध निजी चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य डॉ. हरि सिंह ढिल्लों मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार यादव, कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी एवं रमाबाई अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, गजरौला की प्राचार्य डॉ. अजीता सिंह तथा जे.एस. हिन्दू पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अतिथियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के प्राध्यापक नवनीत बिश्नोई, डॉ. सचिन कुमार पांचाल एवं मोहित कुमार सहित अन्य पात्र शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के कार्ड प्रदान किए गए। अपने संबोधन में शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने कहा कि यह योजना उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग की पूर्ति है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षकों को यह सुविधा प्रदान किया जाना शिक्षा जगत के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य हुए समझौते के अंतर्गत शिक्षकों के लिए दुर्घटना बीमा की भी व्यवस्था की गई है, जिसके तहत सामान्य दुर्घटना पर 1.5 करोड़ तथा हवाई दुर्घटना पर 3 करोड़ तक का बीमा प्रावधान किया गया है।कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ. अजीता सिंह एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरविंद कुमार शास्त्री ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के शिक्षक, कर्मचारी, पत्रकार बंधु एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

एसडीएम व तहसीलदार ने किया बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण, लोगों को दिया हर संभव मदद का आश्वासन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के बाढ़ संभावित इलाकों का धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे एवं तहसीलदार मूसाराम थारू ने शनिवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि बाढ़ से प्रभावित लोगों एवं परिवारों को प्रशासन की तरफ से हर संभव मदद दी जाएगी। वहीं उनके साथ पहुंची प्रशासनिक टीम में वहां बाढ़ से बचाव के प्रबंधों का जायजा लिया और स्थानीय ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। बता दें कि इस दौरान अधिकारियों ने मलकीत सिंह के डेरे से हरवंश सिंह के डेरे तक निर्मित तटबंध का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। इसके साथ ही दरबड़ तक के तटबंध का मुआयना करते हुए उस मुख्य मार्ग और स्थान को देखा जहाँ से क्षेत्र में बाढ़ का पानी प्रवेश करता है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्थिति का आकलन कर तैयार की

गई विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र ही संबंधित विभाग को भेजी जाएगी, ताकि आवश्यक सुरक्षात्मक कदम उठाए जा सकें।इस मौके पर अधिकारियों ने मुख्य रूप से चांदरा मुस्तकम, रुस्तमपुर उर्फ रफायतपुर, रामपुर खादर मुस्तकम, झुंडपुरा और शाहजहाँपुर एहतमाल जैसे तटीय गांवों का दौरा किया।एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए

कहा कि संकट की इस स्थिति में तहसील व पुलिस प्रशासन पूरी तरह उनके साथ खड़ा है।ग्रामीणों को प्रशासन की ओर से सुरक्षा और राहत सामग्री का पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामवासी दर्शन सिंह, अवतार सिंह, मेजर सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। प्रशासनिक टीम में राजस्व विभाग की ओर से लेखपाल रमेश चंद सैनी, आदेश कुमार और गौरव चौहान उपस्थित रहे।

संविधान मान स्तंभ दिवस पर सपा ने सामाजिक न्याय और संविधान रक्षा का लिया संकल्प

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर रविवार को जिला संभल समाजवादी पार्टी की ओर से चंदौसी स्थित ज्ञानवती बैंकट हॉल में संविधान मान स्तंभ दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और आरक्षण के महत्व पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि 26 जुलाई 1902 को छत्रपति साहू महाराज द्वारा सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का निर्णय सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने कहा कि इसी सोच ने आगे चलकर भारतीय संविधान में समानता और आरक्षण के प्रावधानों को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की एकता को संविधान बचाने की महत्वपूर्ण पहल बताया। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि संविधान का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समान अवसर और भेदभाव का अंत है। बिलारी विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने कहा कि आरक्षण वंचित वर्गों का संवैधानिक अधिकार है और इसे सामाजिक समानता का मजबूत माध्यम बताया। वहीं जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने छत्रपति साहू महाराज और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने संविधान के मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की तथा संचालन विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव ने किया। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमजीएम पीजी कॉलेज में मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम संपन्न

संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनपद के एमजीएम पीजी कॉलेज में मुख्यमंत्री का जनपद स्तरीय कार्यक्रम भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी उपस्थित रहीं जिनके कर-कमलों द्वारा शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आगरा विश्वविद्यालय में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित मुख्य वितरण कार्यक्रम का सजीव (लाइव) प्रसारण दिखाया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री के मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण भी सभी ने देखा।मंत्री गुलाब देवी और अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की, जिसके बाद छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। एमजीएम कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. योगेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में निरंतर विकास हो रहा है और शिक्षकों को मुख्यमंत्री की अपेक्षा के अनुरूप छात्रों के उन्नयन व कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। अपने संबोधन में राज्य मंत्री गुलाब देवी ने मुख्यमंत्री की कैशलेस चिकित्सा योजना और सामाजिक सुरक्षा गारंटी योजना की जमकर सराहना की। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक और सराहनीय प्रयास बताते हुए कहा मुख्यमंत्री जी द्वारा सभी शिक्षकों और उनके परिजनों को कैशलेस चिकित्सा का लाभ प्रदान करना एक बेहद संवेदनशील और सराहनीय कदम है। शिक्षक भी छात्रों के उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत रहें, क्योंकि आपके मार्गदर्शन से ही छात्र-छात्राओं को सही दिशा प्राप्त होगी।कार्यक्रम के दौरान एमजीएम कॉलेज संभल के प्रोफेसर डॉ. आबिद हुसैन प्रोफेसर निरंकार सिंह, डॉ. इमरान खान, डॉ. रितु भटनागर, डॉ. निलेश कुमार, डॉ. रियाज अनवर, डॉ. मोहम्मद अहमद, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. नवेद अहमद, डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. अमृतेश अवस्थी, डॉ. अजय कुमार, डॉ. विकास सिंह यादव और एसएम कॉलेज चंदौसी के प्रोफेसर हेमंत कुमार आदि को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। विशिष्ट अतिथि के रूप में बहजोई नगरपालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू, भाजपा नेत्री शिल्पी गुप्ता, एडीएम न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, मंत्री प्रतिनिधि खिलेंद्र सिंह, एमजीएम कॉलेज के सह-सचिव विनय कुमार, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, उच्च शिक्षा नोडल अधिकारी डॉ. राष्ट्र वर्धन, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद अहमद, डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य बहजोई), डॉ. दानवीर सिंह यादव (प्राचार्य एसएम कॉलेज चंदौसी) और प्रोफेसर डॉ. अलका रानी अग्रवाल (प्राचार्या एनकेबीएमजी कॉलेज चंदौसी) समेत भारी संख्या में शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. योगेंद्र सिंह ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. फहीम अहमद एवं सहायक नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद अहमद ने संयुक्त रूप से किया, जबकि अंत में प्रोफेसर राष्ट्र वर्धन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

हिंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

संभल (सब का सपना):- बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों को देखते हुए अब्बासी वेलफेयर हैल्थ एंड एजूकेशनल सोसाइटी के सदस्यों ने सांसे हो रही हैं कम आओ पेड़ लगाएं हम' के नारे के साथ स्टेडियम परिसर में पौधे रोपे। इस मौके पर सोसाइटी के कानूनी सलाहकार सुब्हान अहमद एडवोकेट ने वृक्षारोपण को आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया, जबकि चिकित्सा सलाहकार डॉ. रशिक अनवर ने स्वच्छ वातावरण और शुद्ध ऑक्सीजन के लिए हर नागरिक से इस मानसूनी सीजन में पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की।

पर्यावरण को बचाने के इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए सोसाइटी के अध्यक्ष अजीम अब्बासी ने एक अनोखी और व्यावहारिक सलाह दी कि लोगों को बारहमासी फलों को खाने के बाद उनके बीजों और गुठलियों को फेंकने के बजाय आसपास की खाली जमीनों पर डालना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को फलदार वृक्ष और स्वच्छ हवा मिल सके।

सोसाइटी ने आने वाले दिनों में भी इस अभियान को जारी रखने का निर्णय लिया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को हरित वातावरण के निर्माण से जोड़ा जा सके। इस जागरूक कार्यक्रम में जमील उर रहमान, नाजिम सैफी, अन्हार पाशा, फुरकान वारसी, मोहम्मद अमान, फरमान साबरी, मोहम्मद साद, अफजल और मोहम्मद जैद सहित सोसाइटी के कई पदाधिकारी और सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

कारगिल विजय दिवस पर 10 किमी साइकिल मैराथन, युवाओं ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बहजोई एथलेटिक्स क्लब के तत्वावधान में बहजोई नगर से बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल तक 10 किलोमीटर साइकिल मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कारगिल युद्ध के अमर शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दो मिनट का मौन रखकर की गई। बहजोई बस स्टैंड से शुरू हुई साइकिल मैराथन बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल परिसर में संपन्न हुई। हाथों में तिरंगा लिए प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ मैराथन में भाग लेकर कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, स्वास्थ्य जागरूकता और कर्तव्यबोध की भावना विकसित करना रहा। बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल के निदेशक एवं बहजोई एथलेटिक्स क्लब के संयोजक सम्भव जैन ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि वे शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित होंगे, तो देश और अधिक सशक्त बनेगा। उन्होंने युवाओं से खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। साइकिलिस्ट जयप्रकाश गुप्ता ने कहा कि साइकिलिंग स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम है, जिससे फिटनेस के साथ अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। वहीं डॉ. नितिन गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ शरीर ही सशक्त समाज और राष्ट्र की आधारशिला है तथा कारगिल के वीर सैनिकों का बलिदान हमें अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति सदैव प्रेरित करता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने कारगिल के अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चेतन कुमार सिंह, अवनेश नानू सर्राफ, अनुराग वार्ष्णेय, विनीत यादव, अनुज जैन, सम्भव जैन, जयप्रकाश गुप्ता, एकांश गुप्ता, रूपक वार्ष्णेय, राजीव वार्ष्णेय, मेहुल वार्ष्णेय, सुमित गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस का सघन अभियान, 156 वाहनों के चालान, चार वाहन सीज

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह के पर्यवेक्षण में शनिवार को यातायात पुलिस ने जिले में विशेष अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। अभियान का नेतृत्व यातायात प्रभारी जगरोशन सिंह ने किया। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग कर चलाए जा रहे ई-रिक्शा, मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट मोटरसाइकिल, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने तथा नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़े करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए कुल 156 वाहनों के चालान किए। नियमों की अनदेखी करने पर दो ओवरलोड ई-रिक्शा और दो मोटरसाइकिलों को सीज भी किया गया। इसके अलावा चौराहों के पास निर्धारित 50 मीटर की दूरी के भीतर वाहन खड़े करने वाले चालकों के विरुद्ध नो पार्किंग के तहत चालान किए गए। यातायात प्रभारी जगरोशन सिंह ने वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में ओवरलोडिंग, मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग, बिना हेलमेट वाहन चलाना तथा नो पार्किंग में वाहन खड़ा करने जैसी लापरवाही मिलने पर और कड़ी कार्रवाई करते हुए वाहनों को सीज किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ओवरलोड ई-रिक्शा और चौराहों के आसपास नो पार्किंग के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर चंदौसी लौटे तुषार वार्ष्णेय, हुआ भव्य स्वागत

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी निवासी शिवभक्त तुषार वार्ष्णेय कैलाश मानसरोवर यात्रा लिपुलेख मार्ग के द्वितीय बैच के साथ सफलतापूर्वक पूर्ण कर सकुशल अपने गृह नगर लौट आए। उनके चंदौसी पहुंचने पर परिवार, मित्रों, शिवभक्तों और नगरवासियों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत कर उनका अभिनंदन किया। विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में 4 जुलाई को गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से सभी चिकित्सीय परीक्षण एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद द्वितीय बैच यात्रा पर रवाना हुआ था। इस दल में 47 यात्री, तीन कुक और एक चिकित्सक शामिल थे। बाबा भोलेनाथ की कृपा से सभी श्रद्धालुओं ने कैलाश परिक्रमा और मानसरोवर यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। यात्रा के दौरान 21 जुलाई को यात्रा दल के कुक जीवन राम तथा 22 जुलाई को जयपुर निवासी श्रद्धालु गौरी शंकर खंडेलवाल का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। सभी यात्रियों ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद 25 जुलाई को शेष सदस्य सकुशल गाजियाबाद लौट आए। तुषार वार्ष्णेय ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि बाबा कैलाशपति की कृपा से उन्हें कैलाश पर्वत, डोलमा दर्रा और पवित्र पार्वती सरोवर के दिव्य दर्शन का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि लगभग 19 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित इन पवित्र स्थलों के दर्शन उनके जीवन का सबसे आध्यात्मिक और अविस्मरणीय अनुभव रहे। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल भगवान शिव की कृपा से ही संभव हो सकी और उनके आशीर्वाद से वह सकुशल कैलाशी बनकर लौटे हैं।

स्वागत समारोह में मीरा गुप्ता, पूनम वार्ष्णेय, ब्रजेश वार्ष्णेय, मधुर वार्ष्णेय, अर्पित वार्ष्णेय, अमर वार्ष्णेय, खिलाड़ी वार्ष्णेय, विवेक चौधरी, बंटू सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त, परिजन, मित्र एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

फूलन देवी की पुण्यतिथि पर सपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, उनके संघर्षों को किया याद

सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ के कार्यालय पर शनिवार को पूर्व सांसद एवं वीरांगना स्व. फूलन देवी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके संघर्षमय जीवन और महिलाओं के सम्मान के लिए किए गए कार्यों को याद किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फिरोज खाँ ने कहा कि फूलन देवी ने अपने जीवन में अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना किया और अन्याय व उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करते हुए महिलाओं की आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि फूलन देवी का जीवन महिलाओं के आत्मसम्मान, साहस और संघर्ष का प्रतीक है तथा समाज के शोषित, वंचित और पीड़ित वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोग एकजुट होकर समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलें और वर्ष 2027 में पीडीए की सरकार बनाकर अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लें।

कार्यक्रम में आरिफ खाँ, जबर सिंह यादव, रामरहिस यादव, मोनिस, जाहिद खाँ, अजमत, गुलाम मुस्तुफा, गौरव यादव, शमीम खाँ, अकील खाँ, बिलाल खाँ, इमरान, सलीम, सलमान, नासिर हुसैन, छुन्नन, शहाब सहित अन्य समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अभियान चलाकर कोल्ड स्टोरेजों से आलू व संदिग्ध पदार्थ के लिए नमूने

संभल(सब का सपना):- आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने शनिवार को जनपद के विभिन्न कोल्ड स्टोरेजों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में गठित प्रवर्तन दल ने मिलावट की आशंका के चलते कई स्थानों से आलू एवं एक संदिग्ध मिट्टी जैसे पदार्थ के नमूने एकत्र कर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेज दिए हैं। विभाग को समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से आलू में संभावित मिलावट संबंधी सूचनाएं प्राप्त हुई थीं। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जिले के प्रमुख कोल्ड स्टोरेजों का निरीक्षण किया। अभियान के दौरान लाडम सराय, बहजोई रोड स्थित एक कोल्ड स्टोरेज से आलू का नमूना लिया गया। वहीं शेरखां सराय, चंदौसी रोड स्थित कोल्ड स्टोरेज से आलू के साथ-साथ मिट्टी जैसे संदिग्ध पदार्थ का भी नमूना संग्रहित किया गया। इसके अलावा बहजोई रोड स्थित एक अन्य कोल्ड स्टोरेज से भी आलू का नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूनों की वैज्ञानिक जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि किसी भी नमूने में मिलावट अथवा गुणवत्ता संबंधी अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मिलावटखोरों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

झाड़खंडी महादेव मंदिर मार्ग का निर्माण शुरू, श्रद्धालुओं व ग्रामीणों में खुशी

असमोली/संभल(सब का सपना):- विकास खंड के अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन झाड़खंडी महादेव शिव मंदिर, गुमसानी को जाने वाले लंबे समय से जर्जर पड़े मार्ग के निर्माण कार्य की शुरूआत हो गई है। सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्र के ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों में खुशी का माहौल है। इस महत्वपूर्ण कार्य के शुरू होने पर युवा नेता रितिक राजपूत सहित क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का आभार व्यक्त किया। उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने से झाड़खंडी महादेव शिव मंदिर तक जाने वाला करीब 800 मीटर लंबा मार्ग वर्षों से बदहाल स्थिति में था। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, कंकड़ और उबड़-खाबड़ रास्ता होने के कारण सावन, महाशिवरात्रि तथा अन्य अवसरों पर मंदिर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं, कांवड़ियों और स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान के लिए युवा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता रितिक राजपूत ने लगातार प्रशासन के समक्ष आवाज उठाई। उनके नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण की मांग की थी। साथ ही इस मुद्दे को विभिन्न माध्यमों से भी प्रमुखता से उठाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए मार्ग निर्माण कार्य शुरू करा दिया। रितिक राजपूत ने कहा कि सड़क बनने से झाड़खंडी महादेव मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

साथ ही क्षेत्र के ग्रामीणों के आवागमन की सुविधा भी बेहतर होगी। उन्होंने इस कार्य के लिए जिला प्रशासन और शासन का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाएगा। ग्रामीणों ने भी सड़क निर्माण शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही उनकी मांग पूरी होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

'मन की बात' के 136वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण, कार्यकताओं ने लिए प्रेरणा के संकल्प

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विचारों से हुए प्रेरित

राजा का ताजपुर/बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें एपिसोड का रविवार को राजा का ताजपुर में समाज के सम्मानित एवं वरिष्ठ नागरिकों के साथ सामूहिक श्रवण एवं अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक विचारों को ध्यानपूर्वक सुना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए मार्गदर्शक बताया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आत्मनिर्भर भारत, सेवा, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनभागीदारी और कर्तव्यनिष्ठा पर विशेष बल दिया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए देश की प्रगति में सक्रिय योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व प्रधान अशोक त्यागी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य शीशराम सैनी, राजकुमार त्यागी, बहन पूजा गोस्वामी, बूथ अध्यक्ष रामभजन सैनी, बूथ अध्यक्ष अरविंद चौहान, इंद्रर सिंह, सुनील त्यागी तथा शेर सिंह पाल सहित अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में भाजपा के पूर्व मंडल मंत्री सुमित विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए

कहा कि मन की बात समाज में सकारात्मक सोच, जन-जागरूकता और राष्ट्रहित की भावना को मजबूत करने वाला प्रेरणादायक कार्यक्रम है।

भाजपा व व्यापारी नेता शोभित मित्तल को जान से मारने की धमकी के मामले में तीन पर मुकदमा दर्ज

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- भाजपा एवं व्यापारी नेता शोभित मित्तल तथा उनके पिता सत्य प्रकाश मित्तल को कथित रूप से जान से मारने की धमकी देने और अभद्रता करने के मामले में नजीबाबाद पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बिजनौर को दी गई शिकायत और प्रारंभिक जांच के बाद की गई।

शिकायत के अनुसार, घटना दो दिन पूर्व सीकेआई चौराहा, बुंदकी रोड स्थित साईं कॉम्प्लेक्स मार्केट में हुई। शोभित मित्तल ने बताया कि वह अपने पिता के साथ दुकान पर पहुंचे थे। इस दौरान उनकी दुकान के बाहर आशीष राजपूत की कार खड़ी थी। दुकान पर कार्यरत कर्मचारी जयपाल द्वारा कार हटाने का अनुरोध करने पर विवाद हो गया। आरोप है कि आशीष राजपूत ने शोभित मित्तल और उनके पिता के साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आशीष राजपूत ने फोन कर हरेन्द्र राजपूत और उसके पुत्र उदय राजपूत को मौके पर बुलाया, जिसके बाद तीनों ने कथित रूप से धमकियां दीं। शोभित मित्तल के अनुसार, घटना के दौरान वह पास स्थित आदर्श नगर चौकी पहुंचे और वहां मौजूद कांस्टेबल सोमपाल सिंह को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। कांस्टेबल के मौके पर पहुंचने के बावजूद आरोपी कथित रूप से जान से मारने की धमकी देते रहे। पुलिसकर्मी के हस्तक्षेप के बाद आरोपी वहां से चले गए, लेकिन जाते-जाते भी गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि पूरी घटना उनकी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है, जिसकी पेन ड्राइव भी साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने आरोपियों से स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा को खतरा बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले की जांच के बाद हरेन्द्र राजपूत, उदय राजपूत और आशीष राजपूत के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गंग नहर में मिला जहानाबाद निवासी कृष्णा का शव, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

पत्नी ने गांव के ही एक व्यक्ति पर लगाया हत्या का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील एवं ब्लॉक नजीबाबाद के ग्राम जहानाबाद निवासी 38 वर्षीय कृष्णा पुत्र छोटेलाल का शव रविवार को गंग नहर से बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार कृष्णा 24 जुलाई की शाम करीब 5 बजे से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता था। उसके कपड़े, मोबाइल फोन, पर्स और मोटरसाइकिल गंग नहर के किनारे पड़े मिले थे। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। 25 जुलाई को एसडीएम नजीबाबाद शैलेंद्र कुमार के निर्देश पर गंग नहर का पानी ऊपर से रुकवाया गया। इसके बाद एनडीआरएफ, गोताखोरों और नाव की सहायता से लगातार दो दिनों तक तलाश अभियान चलाया गया। रविवार सुबह ग्रामीणों ने नहर में एक शव देखा, जिसकी पहचान कृष्णा के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक कृष्णा पेशे से पेंटर था। उसके परिवार में पत्नी गीता, तीन बेटियां (14, 12 और 10 वर्ष) तथा एक 8 वर्षीय बेटा है। सभी बच्चे अध्ययनरत हैं। मृतक की पत्नी गीता ने गांव के ही एक व्यक्ति पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपों के आधार पर भी जांच कर रही है। एसडीएम नजीबाबाद शैलेंद्र कुमार ने बताया कि 24 जुलाई को कृष्णा के कपड़े, मोबाइल, पर्स और मोटरसाइकिल नहर किनारे मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। किसी प्रत्यक्षदर्शी ने उसे नहर में उतरते या डूबते हुए नहीं देखा था। प्रारंभिक तौर पर नहर में कूदने की आशंका के आधार पर तलाश अभियान चलाया गया। 26 जुलाई को उसका शव नहर से बरामद हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा विधायक आवास पर सुना गया प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम

बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड का प्रसारण भाजपा विधायक ओम कुमार के आवास पर सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री का संबोधन ध्यानपूर्वक सुना और कार्यक्रम के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में बिजनौर जिले का उल्लेख किया तो उपस्थित कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद नहटौर विधायक ओम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में बिजनौर का नाम लिया जाना जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मैंने बिजनौर की पावन धरती पर जन्म लिया है। यह जिला महापुरुषों की कर्मभूमि रहा है और अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक पहचान के लिए पूरे प्रदेश में जाना जाता है। प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में देश की कृषि पर विशेष जोर दिया। भारत एक कृषि प्रधान देश है और किसानों की उन्नति ही देश की समृद्धि का आधार है। विधायक ओम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने, जनभागीदारी बढ़ाने और देशवासियों को प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कैशलेस चिकित्सा योजना का हुआ शुभारंभ, शिक्षकों को वितरित किए गए कैशलेस चिकित्सा कार्ड

बिजनौर (सब का सपना):- मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ के अवसर पर आज कलक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों तथा संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण देखा।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। प्रदेश सरकार उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना लागू कर रही है। इस योजना के माध्यम से शिक्षकों एवं उनके पात्र आश्रितों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं कैशलेस उपचार की सुविधा प्राप्त होगी, जिससे उन्हें आकस्मिक अथवा गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक चिंता से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना शिक्षकों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। सभी पात्र शिक्षकों को योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक शिक्षकों को इस योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के पात्र शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। शिक्षकों ने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे उनके स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, डीसी जी राम जी आरबी यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता, संबंधित विभागों के अधिकारी, महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य लोग उपस्थित रहें।

दुकान पर कब्जे के आरोप से परेशान विधवा, बच्चों के साथ पलायन की दी चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर थाना क्षेत्र में एक विधवा महिला ने अपनी दुकान पर कथित कब्जे और कई महीनों से किराया न मिलने के आरोप लगाते हुए पुलिस और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित महिला का कहना है कि वह दो छोटे बच्चों के साथ बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही है, लेकिन उसकी आजीविका का एकमात्र सहारा बनी दुकान भी अब उसके हाथ से निकलती जा रही है। न्याय न मिलने से परेशान महिला ने पलायन तक की चेतावनी दी है।पीड़िता प्रियंका राजपूत के अनुसार, उनके पति ने जीवित रहते हुए धामपुर निवासी अमिष मित्तल को दुकान किराये पर दी थी। उस समय पूरी संपत्ति उनके ससुर के नाम दर्ज थी। समय बीतने के साथ परिवार में कई दुखद घटनाएं हुईं और अब पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी पूरी तरह प्रियंका राजपूत के कंधों पर आ गई है। प्रियंका का आरोप है कि पिछले करीब पांच महीनों से किरायेदार अमिष मित्तल न तो दुकान का किराया दे रहा है और न ही दुकान खाली कर रहा है। उनका कहना है कि कई बार अनुरोध करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला, जिससे परिवार आर्थिक संकट में आ गया है। पीड़िता का कहना है कि वह अपनी सास के साथ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के दफ्तरों के लगातार चक्कर लगा रही हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका आरोप है कि कार्रवाई में हो रही देरी के कारण उनके सामने अपने दो छोटे बच्चों का पालन-पोषण करना भी मुश्किल हो गया है। विधवा महिला ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि दुकान को खाली कराया जाए और बकाया किराया दिलाया जाए, ताकि वह अपनी आजीविका दोबारा शुरू कर सके। महिला का कहना है कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो मजबूर होकर उसे अपने बच्चों के साथ पलायन करना पड़ेगा। फिलहाल मामले में पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त होने पर तथ्यों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

भव्य शहीद स्तंभ और शौर्य वाटिका, निर्माण हेतु पालिका अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों की स्मृति में एक भव्य शहीद स्तंभ और शौर्य वाटिका' का निर्माण कराया जाएगा। बैराज रोड स्थित इंदिरा पार्क के बाहर इस भव्य शहीद स्तंभ के निर्माण के लिए पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह और मेजर अभिनव सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। भूमि पूजन का संचालन पंडित चेतन शर्मा ने किया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने कहा कि नगर में वीर सैनिकों की याद में इस भव्य शहीद स्थल का निर्माण किया जाना उनके लिए बेहद गौरव की बात है। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को याद करने का इससे बेहतर और कोई माध्यम नहीं हो सकता। भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कप्तान अनिल कुमार गुप्ता, सैनिक अरविंद लांबा, सभासद संजय बिश्नोई, मनोरमा शर्मा, बबीता चौधरी, अमित ठाकुर, हितेश सैनी, आदिल, प्रभाकर, अभिषेक राणा, राजवीर सिंह, कासिम साहू, ब्रह्मपाल सिंह, राम अवतार सिंह, शमशाद अहमद, सुरेंद्र सिंह, वंदना अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, मनोज कुमार मनी और हितेश सैनी मौजूद रहे। पालिका प्रशासन की ओर से अधिशासी अधिकारी (एड) रामपाल सिंह यादव, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, अवर अभियंता यशवंत सिंह, गौरव शर्मा, कर अधीक्षक नरेंद्र पाल यादव और सुंदरलाल सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शांति और प्रगति के लिए मीडिया विषय पर ब्रह्माकुमारी की प्रेस वार्ता

अमरोहा (सब का सपना):- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अमरोहा द्वारा शहर के एक निजी बैंक्विट हॉल में ह्लशांति और प्रगति के लिए मीडियाह्व विषय पर प्रेस वार्ता एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली से आई अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता एवं सलाहकार राज्य योगिनी ब्रह्माकुमारी लता दीदी ने मीडिया की भूमिका पर गहन चर्चा की।लता दीदी ने कहा कि मीडिया केवल सूचना देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक परिवर्तन, नैतिक मूल्यों, शांति और प्रगति का सशक्त आधार बन सकता है। उन्होंने नैतिक पत्रकारिता, तनाव प्रबंधन, मानसिक संतुलन तथा राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से स्पष्ट एवं श्रेष्ठ निर्णय लेने की क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जब मीडिया सत्य, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करता है, तब वह जागरूक और श्रेष्ठ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। दीदी ने मीडिया कर्मियों को राजयोग मेडिटेशन अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि आंतरिक शांति ही बाहरी दुनिया में सकारात्मक रिपोर्टिंग का आधार बनती है। कार्यक्रम में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और ब्रह्माकुमारी बहनों की उपस्थिति रही। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अमरोहा की टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए। यह आयोजन मीडिया जगत को नैतिकता, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करने वाला साबित हुआ। ब्रह्माकुमारी लता दीदी के प्रेरणादायी विचारों ने सभी उपस्थितजनों को प्रभावित किया।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन की बैठक में प्रताप सिंह को सौंपी गई संरक्षक की जिम्मेदारी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद नगर के स्टेशन रोड स्थित मैसर्स अमीश इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रतिष्ठान पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन की एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई। सभा के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ रहे, जिनका व्यापारियों ने फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने अमीश इलेक्ट्रॉनिक्स के स्वामी एवं सेवानिवृत्त आयकर अधिकारी प्रताप सिंह को मनोनयन पत्र और फूल-मालाएं भेंट कर स्टेशन रोड व्यापार इकाई का संरक्षक मनोनीत किया। इस दौरान "व्यापार संगठन जिंदाबाद" के नारों के साथ प्रताप सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने कहा कि प्रताप सिंह के संगठन से जुड़ने से व्यापारियों को नई ताकत मिलेगी और संगठन को और मजबूती प्राप्त होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंकज वर्मा ने की तथा संचालन नईम टाटा ने किया। इस अवसर पर मुकीम कुरैशी, रईस कुरैशी, शेर अली, सुशील कुमार, मोहम्मद आसिफ, दीपांशु वर्मा, मोहम्मद जावेद, धीरज झा, मोहम्मद आसिफ, दानिश अंसारी, मोहम्मद शाकिब सहित सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/अमरोहा
अमरोहा
सोमवार 27 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

बजरी से भरा ट्रक पलटने से ट्रांसफार्मर व 5 खम्बे क्षतिग्रस्त

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- मुबारिकपुर में सडक पर पानी निकासी के कलाबे के टूटने से सडक धस जाने के कारण बजरी से भरा ट्रक पलट गया,जिसके कारण एक ट्रांसफार्मर व बिजली के 5 खम्बे टूट गये। ट्रक पलटने से चालक व परिचालक बाल बाल बचे। विभागीय कर्मचारियों और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे जेई ने चालक व परिचालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया है। गांव में सीसी रोड बनाने के लिए भारी वाहनों से सडक निर्माण का सामान लाया जा रहा है। एक ट्रांसफार्मर झुका हुआ है। जिसके गिरने का खतरा बना हुआ है। कई घंटे की कडी मेहनत के बाद ट्रक को जेसीबी मशीन से बहार निकाला गया।

शिवाजी शाखा स्वयंसेवकों ने नरौरा में 251 पौधे लगाए

नरौरा/बुलंदशहर (सब का सपना):- शिवाजी शाखा के स्वयंसेवकों ने नगर पंचायत नरौरा के सहयोग से राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परिसर में एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व अनुपशहर के जिला संघचालक डॉ. वी.के. सिंह ने किया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने एनडीआरएफ की टीम के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के 251 पौधे लगाए। इनमें अमलतास, हरसिंगार, अशोक, अमरूद, जामुन, आंवला और इमली जैसे पौधे शामिल थे। वृक्षारोपण के दौरान डॉ. वी.के. सिंह ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पेड़ जीवन के आधार हैं और बढ़ते प्रदूषण तथा गर्मी से बचाव के लिए प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। कार्यक्रम में बी.पी. शर्मा, रवेन्द्र सिंह, बनवारी लाल, अनिल शर्मा, प्रेम सिंह, गंगा प्रसाद सहित शाखा के वरिष्ठ स्वयंसेवक और 32 बाल स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

खुर्जा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद पचास हजार के इनामी बदमाश को दबोचा

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में इनामी बदमाश दोनों पैरों में गोली लगने से घायल हो गया। आरोपी अपहरण और हत्या के मामले में वांछित बताया जा रहा था। आइए जानते हैं पूरी खबर।खुर्जा कोतवाली क्षेत्र में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। चेकिंग अभियान के दौरान खुर्जा-झांझर रोड पर पुलिस और 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया। आरोप है कि आरोपी ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली लगने से 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश कुश चौधरी दोनों पैरों से घायल हो गया। घायल बदमाश को मौके पर ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस की शुरूआती जानकारी के मुताबिक, घायल बदमाश कुश चौधरी अलीगढ़ जिले के दतावली गांव का निवासी है। वह खुर्जा कोतवाली क्षेत्र में दर्ज अपहरण और हत्या के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था और पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी।बताया जा रहा है कि आरोपी के खिलाफ बुलंदशहर और अलीगढ़ के विभिन्न थानों में हत्या, अपहरण, लूट, आर्म्स एक्ट सहित करीब डेढ़ दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड में वह एक शातिर अपराधी के रूप में दर्ज है। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने मौके से आरोपी के कब्जे से हथियार और अन्य सामान भी बरामद किया है। बरामदगी और अन्य तथ्यों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद की जाएगी। फिलहाल घायल बदमाश का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है और आरोपी से पूछताछ के आधार पर उसके अन्य साथियों तथा आपराधिक नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

भाजपा सरकार की नीतियों पर सपा का हमला, संगठन विस्तार पर रहा विशेष जोर

हिंदू-मुस्लिम एकता के संदेश के साथ हुई कार्यकताओं की बैठक

छतारी/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बे के मोहल्ला गोपालगंज स्थित समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष शमशुद्दीन सैफी के आवास पर रविवार को पार्टी कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हिंदू-मुस्लिम एकता, संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकताओं ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को पार्टी मंच के माध्यम से शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से उठाने का संकल्प भी लिया,बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष शर्मा ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों से किसान, युवा, व्यापारी, मजदूर और आम नागरिक अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि जनता इन समस्याओं से परेशान है और सरकार मूलभूत मुद्दों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे रही है,उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देती रही है। कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव और घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों तथा पूर्व की समाजवादी सरकार के विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं। साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करते हुए अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं और नए लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया,बैठक में संगठन को मजबूती प्रदान करने, आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा सदस्यता अभियान को गति देने पर भी सहमति बनी। इस अवसर पर आरडी शर्मा, अखलेश, जयप्रकाश, ललित, केके शर्मा, लाला शर्मा, लोकेश, सचिन शर्मा, कुशल शर्मा, इस्लाम पहलवान (पूर्व नगर अध्यक्ष), हाफिज मकसूद, सफीक कुरैशी, कुंवर सरफराज, यूनिश खां, शमशुद्दीन सैफी, इरशाद खां, अबरार सिद्दीकी, अजमेरी खां, उमेश कुमार, तौफीक, राशिद, कौशल पंडित सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

1.17 करोड़ से बनेगा गढ़ाना अलौदा जागीर संपर्क मार्ग, विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने किया शिलान्यास

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गढ़ाना से अलौदा जागीर कट तक जर्जर पड़े संपर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य का विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने फीता काटकर शिलान्यास किया। ड्ड1.17 करोड़ की लागत से बनने वाली इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण से ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पीएम के मन की बात कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों ने लिया भाग

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शहर के निकुंज हॉल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सजीव प्रसारण सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री अमित वाल्मीकि के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर चौधरी हेमंत सिंह, सभासद साईं, सभासद सभी सिंह, मुकेश प्रजापति, विवेक राणा, शक्ति गिरी, अनिमेष वाल्मीकि, आशीष वाल्मीकि, आकाश, सुबोध लोधी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कारगिल विजय दिवस, युवा शक्ति, खेल, विज्ञान, अंतरिक्ष अभियान तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में अमित वाल्मीकि ने राष्ट्र निर्माण एवं समाज सेवा के लिए सभी से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

जलभराव की समस्या को लेकर महिलाओं ने एसडीएम को सोपा ज्ञापन

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर स्थित फायर स्टेशन मोहल्ले में लंबे समय से जलभराव की समस्या से परेशान महिलाओं का सब्र आखिरकार टूट गया। दर्जनों महिलाओं ने नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और जल्द समाधान की मांग की। खुर्जा पुराना जीटी रोड स्थित फायर स्टेशन मोहल्ले में लंबे समय से जलभराव की समस्या से परेशान महिलाओं ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और उपजिलाधिकारी यानी एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि मोहल्ले की मुख्य सड़कें और गलियां लंबे समय से गंदे पानी से भरी हुई हैं, जिससे लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उनका कहना है कि कई बार नगर पालिका और स्थानीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। महिलाओं ने बताया कि बारिश के दौरान हालात और भी खराब हो जाते हैं। गंदे और बदबूदार पानी में मच्छरों की भरमार हो जाती है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। दूषित पानी के कारण बच्चे और बुजुर्ग अक्सर फिसलकर हादसों का शिकार भी हो रहे हैं। महिलाओं ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में मोहल्ले में जल्द से जल्द स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की।

साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो मोहल्लेवासी बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में क्या कार्रवाई की जाएगी, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

डीएम की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं कानून-व्यवस्था के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लंबित महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने समस्त अभियोजकों को प्रभावी पैरवी कर अधिक से अधिक मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के विरुद्ध अपराधों एवं पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए शत-प्रतिशत दोषसिद्धि के लिए गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ अभियोजन कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में साक्ष्यों एवं गवाहों का समुचित समन्वय बनाए रखते हुए मजबूत पैरवी सुनिश्चित की जाए, ताकि दोषियों को कठोर से कठोर दंड मिल सके। जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों से संबंधित शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा जघन्य एवं गंभीर धाराओं में वांछित अपराधियों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें किसी भी स्थिति में बख्शा न जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन मामलों में अभियोजकों को किसी अभियुक्त की दोषमुक्ति अनुचित प्रतीत हो, उनमें नियमानुसार समयबद्ध रूप से अपील करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि दोषियों को कानून के अनुरूप दंड दिलाया जा सके।

साथ ही उन्होंने लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, अभियोजन एवं पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के लिए सभी अधिकारियों को समन्वित एवं उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, उपजिलाधिकारी सदर शशिभूषण पाठक, उपजिलाधिकारी हसनपुर, संबंधित अभियोजक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पेड़ से लटका मिला शव, पोस्टमार्टम के लिए भेजा, 20 वर्षों से रिश्तेदार के साथ रह रहा था मृतक

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव नौगरा में रविवार सुबह आम के पेड़ से 49 वर्षीय मूकबधिर व्यक्ति का शव लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह गांव नौगरा निवासी विशाल पुत्र भूपेंद्र ने पुष्पेंद्र पुत्र बलवीर सिंह को सूचना दी कि उनके खेत में खड़े आम के पेड़ पर उनके रिश्तेदार का शव लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पुष्पेंद्र मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मृतक की पहचान लोकेश (49) पुत्र होशियार सिंह निवासी गांव नांगलजट, थाना हल्दौर के रूप में हुई। बताया गया कि लोकेश मूकबधिर था और उसके परिवार में कोई सदस्य जीवित नहीं बचा था। इसी कारण वह पिछले करीब 20 वर्षों से अपने रिश्तेदार पुष्पेंद्र के घर रह रहा था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

वृद्धाश्रम एवं वन स्टॉप सेंटर का गठित समिति द्वारा किया औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा प्रभारी सचिव, चेतना सिंह, गठित समिति की अध्यक्ष अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पॉक्सो एक्ट प्रथम, अमरोहा हेमलता व न्यायिक मजिस्ट्रेट, अमरोहा इन्दू नागर (सदस्य) के साथ वृद्धाश्रम एवं वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों संस्थानों में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं तथा लाभार्थियों को मिलने वाली अन्य आवश्यक सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष हेमलता त्यागी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पॉक्सो एक्ट प्रथम, अमरोहा व सदस्य इन्दू नागर न्यायिक मजिस्ट्रेट, अमरोहा ने वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वृद्धजनों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा उन्हें सम्मानजनक वातावरण के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके उपरांत समिति द्वारा वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा की। केंद्र में कानूनी सहायता, परामर्श, चिकित्सकीय सुविधा, मनोसामाजिक सहयोग तथा अस्थायी आश्रय जैसी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पीड़िता को त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा शासन की मंशा के अनुरूप सभी सेवाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। प्रभारी सचिव चेतना सिंह ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें समय पर निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि संस्थानों की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनी रहे। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, समिति के सदस्य एवं संस्थानों के कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लाभार्थियों की सुरक्षा, सम्मान एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश दिए।

बोलेरो में भरकर ले जाई जा रही 900 पव्वे देशी शराब पुलिस ने पकड़ी

पुलिस ने एक आरोपी दबोचा, दूसरा खेतों के रास्ते हुआ फरार,मुकदमा दर्ज

कैलादेवी/संभल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध शराब तस्करी पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत थाना कैलादेवी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 900 पव्वे अवैध देशी शराब और एक बोलेरो वाहन के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि उसका साथी पुलिस को चकमा देकर बाजरे के खेतों में भाग निकला। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।रविवार को थाना कैलादेवी पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान ग्राम रोरादीप से मुजाहिदपुर जाने वाले मार्ग पर एक बोलेरो को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही वाहन चालक गाड़ी रोककर खिड़की से निकलकर बाजरे के खेतों में फरार हो गया। वहीं वाहन में मौजूद दूसरे व्यक्ति को पुलिस ने मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम देवेन्द्र कुमार सागर पुत्र रोहताश बताया, जबकि फरार चालक की पहचान संतवीर पुत्र नन्हू सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने बोलेरो की तलाशी ली तो उसमें इंडियन टाइगर मार्का के 900 पव्वे देशी शराब बरामद हुए, जिन्हें अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। पूछताछ के दौरान देवेन्द्र कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी सुनीता ग्राम प्रधान हैं और उनके नाम पर बुलंदशहर जनपद में शराब के ठेके का लाइसेंस है। वह वहीं से शराब लाकर गांव-गांव के रास्ते अपने गांव ले जाता था

और वहां धीरे-धीरे बेचकर मुनाफा कमाता था। हालांकि, संभल जनपद में शराब परिवहन का वैध लाइसेंस मांगने पर वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी देवेन्द्र कुमार सागर को गिरफ्तार कर लिया तथा फरार आरोपी संतवीर की तलाश शुरू कर दी है। दोनों के विरुद्ध थाना कैलादेवी में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एक साल पुरानी रंजिश का खूनी अंजाम, हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने हत्या के एक चर्चित मामले में कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी राजेश पुत्र धनपाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया है। आरोपी थाना रजपुरा में दर्ज हत्या के मुकदमे में फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने हत्या की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि करीब एक वर्ष पहले मृतक उदयवीर उनकी रिश्तेदारी की एक युवती को अपने साथ ले गया था। हालांकि अगले दिन युवती वापस आ गई थी, लेकिन इस घटना से परिवार को सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ा। इसी रंजिश के चलते परिवार ने उदयवीर से बदला लेने की योजना बनाई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि 18 जुलाई को उदयवीर के गांव आने की जानकारी मिलने पर उसने अपने परिजनों के साथ मिलकर उस पर लाठी-डंडों और अन्य वस्तुओं से हमला किया। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा भी बरामद कर लिया गया है। थाना रजपुरा पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य नामजद आरोपियों की तलाश जारी है और सभी के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चेक बाउंस मामले में महिला की अपील खारिज, कोर्ट ने कहा- बचाव नदी की धारा की तरह बदलता रहा

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त ने चेक बाउंस मामले में दोषी ठहराई गई एक महिला की अपील खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि मुकदमे के दौरान महिला का बचाव नदी की धारा की तरह लगातार बदलता रहा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर ने नवंबर 2024 में मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा सुनाई गई दोषसिद्धि और दिसंबर 2024 में दिए गए सजा के आदेश को सही ठहराया। ट्रायल कोर्ट ने महिला ओमवती तोकस को परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआइ एक्ट) के तहत दोषी ठहराते हुए 90 दिनों के भीतर पांच लाख रुपये मुआवजा अदा करने का निर्देश दिया था। भुगतान न करने पर तीन माह की साधारण कैद की सजा भी तय की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सच हमेशा एक जैसा रहता है, लेकिन इस मामले में बचाव पक्ष की कहानी हर चरण में बदलती रही। शुरूआत में महिला ने कहा कि चेक उसका नहीं है और उस पर उसके हस्ताक्षर भी नहीं हैं। करीब चार वर्ष बाद जिरह के दौरान उसने कहा कि चेक घर में बढ़ईगीरी के काम के लिए सुरक्षा के तौर पर दिया गया था। इसके बाद अदालत में बयान देते समय उसने हस्ताक्षर अपने होने की बात स्वीकार कर ली, लेकिन यह

दलील दी कि उसने कर्ज किस्तों में पहले ही लौटा दिया था। अदालत ने कहा कि मुकदमे के अलग-अलग चरणों में पेश किए गए ये तीनों बचाव एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं और इसी आत्मविरोधी रुख ने अपील को कमजोर कर दिया। अदालत के अनुसार महिला शिकायतकर्ता के पक्ष में मौजूद कानूनी धारणा को खंडित करने में पूरी तरह विफल रही और उसका बचाव अस्पष्ट, आधारहीन तथा विरोधाभासी था। मामले के अनुसार वर्ष 2011-12 में बढ़ई का काम करने वाले नरसी लाल ने पारिवारिक जरूरतों को देखते हुए ओमवती तोकस को तीन लाख रुपये उधार दिए थे। शिकायतकर्ता का कहना था कि उसने यह रकम अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए खरीदी गई जमीन बेचकर जुटाई थी। वर्ष 2016 में कर्ज चुकाने के लिए महिला ने तीन लाख रुपये का चेक दिया, लेकिन बैंक ने खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण उसे बाउंस कर दिया। महिला ने यह भी दलील दी कि उसे कानूनी नोटिस नहीं मिला था, लेकिन अदालत ने इसे भी खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि नोटिस विधि सम्मत तरीके से भेजा और तामील किया गया था। केवल उस समय महिला का व्यक्तिगत रूप से घर पर मौजूद न होना नोटिस की वैधता को प्रभावित नहीं करता। अदालत ने यह भी माना कि मुकदमा लगातार बदलते बचाव के कारण आठ वर्ष से अधिक समय तक लंबा खिंचता रहा। ऐसे में तीन लाख रुपये के मूल ऋण के मुकाबले पांच लाख रुपये का मुआवजा किसी भी दृष्टि से अत्यधिक या असंगत नहीं कहा जा सकता। इसलिए ट्रायल कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला: लता गुप्ता बनीं महिला आयोग की अध्यक्ष, निर्मल जैन संभालेंगे अल्पसंख्यक आयोग

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनरिका शर्मा झा एवं रेनू भल्ला को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। लता गुप्ता पार्षद भी रह चुकी हैं। सीएमओ दिल्ली ने एक्स पर पोस्ट किया- दिल्ली महिला आयोग महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों के संरक्षण और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन नई नियुक्तियों से आयोग की कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा और गति आएगी। उम्मीद है कि इससे महिलाओं को न्याय, संरक्षण और सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी तथा तेज होगी। निर्मल जैन को अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाया गया दिल्ली सरकार ने इसी क्रम में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का भी नया गठन किया है। निर्मल जैन को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि कुलदीप सिंह और मोहम्मद हारून को सदस्य बनाया गया है। सीएमओ दिल्ली ने एक्स पर पोस्ट किया- दिल्ली सरकार ने इन नियुक्तियों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। ये नियुक्तियां सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही हैं।

दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशन आज खुले हैं या बंद? घर से निकलने से पहले दूर कर लें कन्फ्यूजन

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर जानकारी दी कि दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशन यात्रियों की सेवा के लिए (एंट्री और एग्जिट) खुले हैं। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर बीते चार दिनों से सेंट्रल दिल्ली के 18 प्रमुख मेट्रो स्टेशनों को सुरक्षा कारणों के चलते बंद किया गया था, जिन्हें अब पूरी तरह से खोल दिया गया है। भारी परेशानी और उहापोह से गुजर रहे मेट्रो और बस यात्रियों को शनिवार दोपहर बड़ी राहत मिली। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद से जहां जंतर मंतर पर हर्ष का माहौल रहा, वहीं मेट्रो व बस यात्रियों की यात्रा भी सामान्य होने की राह निकली है। राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर भीड़ के कारण कतार में प्रवेश करते लोग। शनिवार दोपहर बाद सीजेपी के धरना-प्रदर्शन खत्म करने की घोषणा यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर लाई। उसके करीब आधे घंटे बाद दोपहर 3:44 बजे डीएमआरसी ने केंद्रीय सचिवालय, मंडी हाउस और राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के प्रवेश द्वार खोल दिए और बसों का परिचालन भी पहले की तरह ही सामान्य कर दिया गया। इसके बाद शाम 5:17 बजे जनपथ मेट्रो स्टेशन का गेट भी खोल दिया गया, जिसके बाद दिल्ली और एनसीआर लौटने वाले लोगों की भीड़ स्टेशनों पर उमड़ पड़ी। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए कुछ स्टेशनों पर निश्शुल्क प्रवेश भी दिया गया। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए यात्रियों की अलग-अलग लाइनें बनवाईं और एक- एक करके लोगों को अंदर भेजा गया। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सभी मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार खोल दिए गए। ताकि लोग आसानी से निकल सकें। हालांकि इन मेट्रो स्टेशनों पर निकास बंद ही रहा। सोमवार से इन मेट्रो स्टेशनों पर सेवाएं सामान्य होने की उम्मीद है। वहीं, इंटरनेट सेवा शुरू होते ही आनलाइन पेमेंट और फूड बुकिंग सेवाएं फिर बहाल हो गईं, जिससे लोगों ने खुशी जताते हुए राहत की सांस ली कि अब यात्रा सुगम होगी और समय व पैसे दोनों की बचत होगी। 20 जुलाई से परेशान थे यात्री 20 जुलाई को सीजेपी के संसद मार्च के साथ से ही शनिवार दोपहर तक दिल्लीझएनसीआर के यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। शनिवार सुबह से ही राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय, मंडी हाउस और जनपथ समेत 18 प्रमुख मेट्रो स्टेशन बंद रहे, जिससे अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए यात्री सुबह से दोपहर तक जद्दोजहद करते दिखे। इंटरनेट सेवा बहाल परेशानी तब और बढ़ गई जब जंतर-मंतर की ओर जाने वाली सभी बसों के रूट आखिरी वक्त पर बदल दिए गए। यात्री उमस भरी गर्मी में घंटों बस स्टाप पर खड़े होकर बसों का इंतजार करते रहे, वहीं सड़कों पर ऑटो, टैक्सी और बाइक सवार लंबे जाम में फंसे रहे। इंटरनेट बंद होने के कारण लोग न तो कैब की बुकिंग हो पा रहे थे और न ही डिजिटल पेमेंट। जिससे आम जनता के साथ-साथ व्यापारी भी बेहाल नजर आए। पर, यात्री शाम को मेट्रो और बस सेवा बहाल होने के साथ अंत भला तो सब भला के साथ आगे के लिए राहत की सांस ली।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, यात्रियों से भरी बस पलटी; दो की मौत, 20 से अधिक घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र से गुजर रहे गंगा एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बहराइच से पंजाब के जालंधर जा रही यात्रियों से भरी एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे की सूचना मिलते ही बहजोई थाना पुलिस, एक्सप्रेसवे सुरक्षा टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सभी घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद कुछ समय के लिए गंगा एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। अधिकारियों का कहना है
कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, घायलों के उपचार की व्यवस्था कराई गई है और उनके परिजनों को भी हादसे की सूचना दी जा रही है।

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज, कई इलाकों में झमाझम बारिश; यमुनापार में हुआ जलभराव

नई दिल्ली। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच रविवार को भी राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। बारिश से गर्मी और उमस से कुछ राहत मिली। पूर्वी दिल्ली के यमुनापार इलाके में कुछ देर की ही बारिश में जलभराव हो गया। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बादलों की आवाजाही रहेगी। अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। बीच बीच मे धूप खिले रहने पर उमस से भी परेशानी होगी। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं। दिल्ली का एक्यूआई 79 दर्ज उधर रविवार को सुबह साढ़े 9 बजे दिल्ली का एक्यूआई 79 दर्ज किया गया। इसे 'संतोषजनक' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में ही चल रही है। हाल फिलहाल इसमें खास बदलाव नहीं होगा।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 3053 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार, 137 आयुष्मान कार्ड बने

संभल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 263वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं 9 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर किया गया। मेले में बड़ी संख्या में मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। 37 चिकित्सकों एवं 134 पैरामेडिकल कर्मचारियों की टीम ने कुल 3053 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया, जिनमें 1321 पुरुष, 1043 महिलाएं और 689 बच्चे शामिल रहे। आरोग्य मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 137 पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर बुखार, चर्म रोग, दमा, मधुमेह, नेत्र रोग, उच्च रक्तचाप सहित अन्य बीमारियों से संबंधित मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। इस दौरान 319 बुखार, 395 चर्म रोग, 257 दमा, 118 मधुमेह, 83 नेत्र रोग और 203 उच्च रक्तचाप के मरीजों का इलाज किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बुखार से पीड़ित मरीजों की जांच भी कराई। 39 मरीजों की मलेरिया और 20 मरीजों की डेंगू की जांच की गई, जिसमें सभी रिपोर्ट निगेटिव पाई गईं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री वितरण के लिए अलग काउंटर बनाए गए। वहीं जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकताओं ने संचारी रोगों की रोकथाम, सोर्स रिडक्शन तथा जनजागरूकता अभियान चलाया। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 369 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श भी दिया गया। मेले में आने वाले 103 मरीजों को टेलीमानस परामर्श सेवा का लाभ भी उपलब्ध कराया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न आरोग्य मेला स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दिल्ली के हौज खास में कपड़ा दुकानदार की गला घोंटकर हत्या, भीड़ ने आरोपी को पकड़ पुलिस को सौंपा

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के हौज खास थाना क्षेत्र में एक कपड़ा दुकानदार की गला घोंटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दुकानदार रात के समय अपनी दुकान बंद कर हौज खास में ही अपने रूम पर लौट रहा था। पीछे से आकर हमलावर ने बेल्ट से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी को भीड़ ने मौके से ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक की हुई पहचान मृतक की पहचान नवादा जिला (बिहार) के माई गांव निवासी 49 वर्षीय मनोज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, तैमूर नगर निवासी आरोपी लोकेश को मौके से ही पकड़ लिया गया है। एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच के मुताबिक, बस स्टैंड पर हुई मामूली कहासुनी मारपीट में बदल गई थी। शराब के नशे में आया था आरोपी बिट्टू कुमार के मुताबिक, घटना बृहस्पतिवार रात की है। उनके पिता सफदरजंग अस्पताल के गेट नंबर दो के पास पिछले 25 वर्ष से कपड़े की दुकान लगा रहे थे। घटना वाली रात 10 बजे दुकान बंद करके वे रूम पर लौट रहे थे। इतने में नशे में धुत शराबी ने जानबूझकर उन्हें धक्का दिया और झगड़ा करने लगा। वे झगड़ा बचाकर वहां से जाने लगे तो आरोपी ने अपना बेल्ट निकाल लिया और पीछे से आकर गले में डालकर कस दिया। दम घुटने से वे अचेत होकर गिर पड़े। आरोपी पकड़ा गया बताया कि आसपास के लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अचेत हालत में पिता को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बिट्टू कुमार गुरुग्राम के चकरपुर में रहकर प्राइवेट जॉब करते हैं। उनकी चार बहनें हैं। उन्होंने रेखा गुप्ता सरकार से विनती करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर में रोजगार के लिए आने वालों को सुरक्षा दी जाए। जो भी व्यक्ति गलत करता है, उस पर सख्त कार्रवाई की जाए।

पीडब्ल्यूडी में होगी आर्किटेक्ट्स की नई तैनाती, दिल्ली के अस्पताल-फ्लाईओवर और स्कूलों के डिजाइन में होगा सुधार

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अपनी वास्तुविद (आर्किटेक्ट) विंग को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। विभाग ने उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी जोन में वास्तुविदों की तैनाती शुरू कर दी है। उत्तरी जोन में लंबे समय से रिक्त पड़े मुख्य वास्तुविद के पद पर नियुक्ति की गई है, जबकि एक अन्य वास्तुविद की भी तैनाती की तैयारी है। विभाग का उद्देश्य भवनों और सार्वजनिक ढांचों की डिजाइन, गुणवत्ता तथा कार्यान्वयन में विशेषज्ञों की भूमिका बढ़ाना है ताकि भविष्य की परियोजनाओं में बेहतर योजना और निगरानी सुनिश्चित की जा सके। डिजाइन आधारित परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार पीडब्ल्यूडी में वास्तुविद केवल भवनों के नक्शे तैयार करने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, स्कूलों, फ्लाईओवरों से जुड़े भवनों, बस टर्मिनलों, सार्वजनिक सुविधाओं, विरासत संरचनाओं के संरक्षण, शहरी सुंदरीकरण और नागरिक सुविधाओं के डिजाइन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परियोजनाओं की कार्यक्षमता, सुरक्षा, पर्यावरणीय मानकों को ध्यान में रखते हुए उनकी तकनीकी सलाह ली जाती है। विभाग का मानना है कि मजबूत वास्तुविद विंग से परियोजनाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और निर्माण कार्य अधिक व्यवस्थित तरीके से पूरे किए जा सकेंगे। दिल्ली में पीडब्ल्यूडी इस समय कई महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इनमें नए फ्लाईओवर और एलिवेटेड कॉरिडोर, सड़क चौड़ीकरण, सरकारी अस्पतालों का विस्तार, स्कूल भवनों का निर्माण एवं आधुनिकीकरण, प्रशासनिक भवन, पैदल यात्री सुविधाएं, सड़कों का पुनर्विकास तथा सार्वजनिक स्थलों के सुंदरीकरण जैसे कार्य शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं में डिजाइन और तकनीकी योजना के स्तर पर वास्तुविदों की भूमिका अहम मानी जाती है।
वास्तुविद विंग पहले भी चर्चा में रहा है। आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन के कार्यकाल में वास्तुविदों की नियुक्ति और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर विवाद सामने आया था। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का मानना है कि विशेषज्ञ वास्तुविदों की संख्या बढ़ने से भविष्य की परियोजनाओं में बेहतर डिजाइन, लागत नियंत्रण, समयबद्ध क्रियान्वयन और टिकाऊ निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। विभाग की कोशिश है

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म, एनडीएमसी ने रातभर में हटाया 60 मीट्रिक टन कचरा

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन समाप्त होने के तुरंत बाद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने पूरे क्षेत्र में विशेष स्वच्छता, मरम्मत और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया। रातभर चले इस अभियान में लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। एनडीएमसी के अनुसार, अभियान में 500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल स्वयं पूरी रात मौके पर मौजूद रहे और अभियान की निगरानी करते हुए अधिकारियों को कार्य शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। रविवार दोपहर चहल ने जंतर-मंतर और आसपास के क्षेत्रों का दोबारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन समाप्त होते ही एनडीएमसी की टीमें तत्काल मैदान में उतर गई थीं, ताकि राजधानी के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में जनजीवन और यातायात जल्द सामान्य हो सके। अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सिविल इंजीनियरिंग तथा उद्यान विभाग ने संयुक्त रूप से कार्य किया। जंतर-मंतर के अलावा टॉलस्टॉय रोड, संसद मार्ग, जयसिंह रोड, जनपथ और कनॉट प्लेस के आसपास के क्षेत्रों में सड़कों,

फुटपाथों, डिवाइडरों, हरित पट्टियों, दीवारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई, धुलाई, मरम्मत और पुनर्स्थापन किया गया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने करीब 50 कर्मचारियों को तैनात किया। चार जेटिंग मशीनों से सड़कों और फुटपाथों की धुलाई कराई गई। दीवारों पर लिखे नारों को हटाकर दोबारा रंगाई-पुताई की गई, जबकि क्षतिग्रस्त कर्ब स्टोन और फुटपाथों की मरम्मत भी कराई गई। वहीं, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग की ओर से रात में 75 और सुबह 35 अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों को लगाया गया। आठ ऑटो टिपर, दो भारी ट्रक, एक जेसीबी और तीन हाई-प्रेशर जेटिंग मशीनों की मदद से पूरे क्षेत्र से करीब 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। उद्यान विभाग ने हरित पट्टियों और डिवाइडरों की सफाई के साथ पौधों एवं उद्यान क्षेत्रों का पुनर्स्थापन भी किया। चहल ने कहा कि एनडीएमसी की प्राथमिकता प्रदर्शन के बाद सार्वजनिक स्थलों को कम से कम समय में स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है। उन्होंने दावा किया कि परिषद ने पूरे प्रदर्शन स्थल की सफाई किसी भी अन्य प्रतीकात्मक सफाई गतिविधि से पहले पूरी कर ली थी। उन्होंने पूरी रात कार्यरत अधिकारियों, अभियंताओं, सफाई कर्मचारियों और फील्ड स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि एनडीएमसी के कर्मचारी परिषद की सबसे बड़ी ताकत हैं। साथ ही नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील भी की।

दिल्ली में कैब ड्राइवर की हत्या का सनसनीखेज खुलासा, लूट के लिए दिया था वारदात को अंजाम

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में कृष्णा नगर थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ ने कैब चालक की हत्या की वारदात को 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग समेत तीन लोगों को पकड़ा है। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि 23 जुलाई को रोड नंबर-57, मेट्रो पिलर नंबर-90, कृष्णा नगर के पास एक कार में चालक के लहूलुहान हालत में पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को हरियाणा नंबर की मारुति वैगन-आर कार में चालक की सीट पर कई बार किए गए चाकू के घाव से घायल व्यक्ति मिला। मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू इसके बाद उसे हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 4 विजय कुमार, निवासी वेस्ट विनोद नगर के रूप में हुई। इस संबंध में कृष्णा नगर थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल काल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। स्थानीय मुखबिरों की मदद से आरोपितों की पहचान न्यू सीलमपुर क्षेत्र में हुई। इसके बाद लगातार छापामारी कर अयान (20), निवासी न्यू सीलमपुर, साहिल (19), निवासी के ब्लॉक, न्यू सीलमपुर और एक 17 वर्षीय बाल नाबालिग को पकड़ लिया गया। कैब चालक को लूटने की साजिश रची पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि अयान की जाफराबाद के कुछ युवकों से रंजिश थी। इसी कारण उसने अमन कुरैशी से चाकू मंगवाया। 23 जुलाई को चारों ने साथ बैठकर शराब पी और आसान पैसे कमाने के लिए किसी कैब चालक को लूटने की साजिश रची। चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए अमन ने अयान के मोबाइल फोन से रैपिडो कैब बुक कराई।

तिगड़ी जेजे कैंप में दर्दनाक हादसा, वायरिंग करते समय करंट लगने से कारपेंटर की मौत

दक्षिणी दिल्ली। तिगड़ी थाना क्षेत्र स्थित जेजे कैंप में रविवार को वायरिंग करने के दौरान युवक की करंट लगने से मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 39 वर्षीय अरमान के रूप में हुई है, जो जेजे कैंप में जे-485 में रहते थे। पुलिस के मुताबिक, रविवार को अरमान घर के पास पानी के पंप की बिजली वायरिंग जोड़ रहे थे। इस दौरान करंट लगने से वे अचेत होकर गिर पड़े। स्वजन उन्हें लेकर बत्रा अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अरमान कारपेंटर का काम करते थे। परिवार में उनकी पत्नी और चार बच्चे हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सफदरजंग अस्पताल में भेज दिया है।

फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है। रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी।

खुद को बार-बार बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती

सिंगर-गीतकार के रूप में की नई शुरुआत

हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री टिया बाजपेयी इन दिनों अपने नए म्यूजिक सिंगल 'नंबर 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में उन्होंने सिर्फ अभिनय नहीं किया, बल्कि इसके बोल भी खुद लिखे हैं। टिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए वह एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में दर्शकों के सामने आई हैं।

टिया बाजपेयी ने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मेरे लिए कलाकार होने का मतलब कभी सिर्फ एक ही क्षेत्र तक सीमित रहना नहीं रहा। अभिनय और संगीत, दोनों ही मेरे दिल के बेहद करीब हैं। 'नंबर 1' के जरिए मुझे पहली बार इन दोनों चीजों को एक साथ जोड़ने का मौका मिला। इस गाने के बोल लिखना और फिर उसी पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर परफॉर्म करना बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए खुद को नए रूप में पेश करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। मैं खुश हूं कि अब दर्शक मुझे एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में देख रहे हैं। उम्मीद है कि वे मेरे नए रूप को भी उतना ही पसंद करेंगे, जितना अब तक मेरे काम को करते आए हैं।'' टिया ने गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान मेरी फरारी रेत में फंस गई थी। प्रोडक्शन टीम मेरी ही फरारी का इस्तेमाल शूटिंग के लिए कर रही थी, इसलिए उसे बाहर निकालना जरूरी था। करीब नौ लोगों ने मिलकर कार को धक्का लगाया, तब जाकर वह रेत से बाहर निकली। शायद पहली बार किसी फरारी का इस्तेमाल प्रोडक्शन कार और मेरी निजी वॉर्डरोब कार के रूप में किया गया।'' 'नंबर 1' टिया बाजपेयी का पहला ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आ रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय, गायकी और गीत लेखन के सफर में नया कदम माना जा रहा है।

सामंथा ने करण जौहर को बताया 'नाखुश शादियों' की वजह

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी मौजूद थे। सामंथा ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं। सामंथा ने कहा, 'बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी 'कभी खुशी कभी गम' जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी 'केजीएफ' जैसी मुश्किलों से भरी होती है।'

कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।' भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।' एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है।'

भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। भोजपुरी फिल्मों के अलावा इस एक्टर ने हिंदी एंटरटेनमेंट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें ओटीटी सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 में देखा गया, जिसमें दर्शकों ने उनके काम को काफी पसंद किया। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही इस शो की खूब तारीफ की। इस शो में अमोल पाराशर, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन भी अहम भूमिकाओं में थे।

जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन, हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।

कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

सेफ नहीं चलना

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।'' अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।''

असली जिंदगी में मैं ऐसी नहीं हूं

सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।'' अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।''

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।